UPSC MAIN 2011
PHILOSOPHY
PAPER - II

Held on: 11.11.2011 (Friday)

Downloaded From: http://www.upscportal.com

Compiled By: UPSC PORTAL

दर्शनशास्त्र

प्रश्न-पत्र II

समय : तीन घण्टे | पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अन्त में दिए गए हैं।

उत्तर संक्षिप्त और सटीक होने चाहिए।

Note : English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.

PHILOSOPHY

Paper II

Time Allowed : Three Hours | *Maximum Marks : 300*

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any three of the remaining questions selecting at least one question from each Section.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers should be precise and to-the-point.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है।

UPSC PORTAL

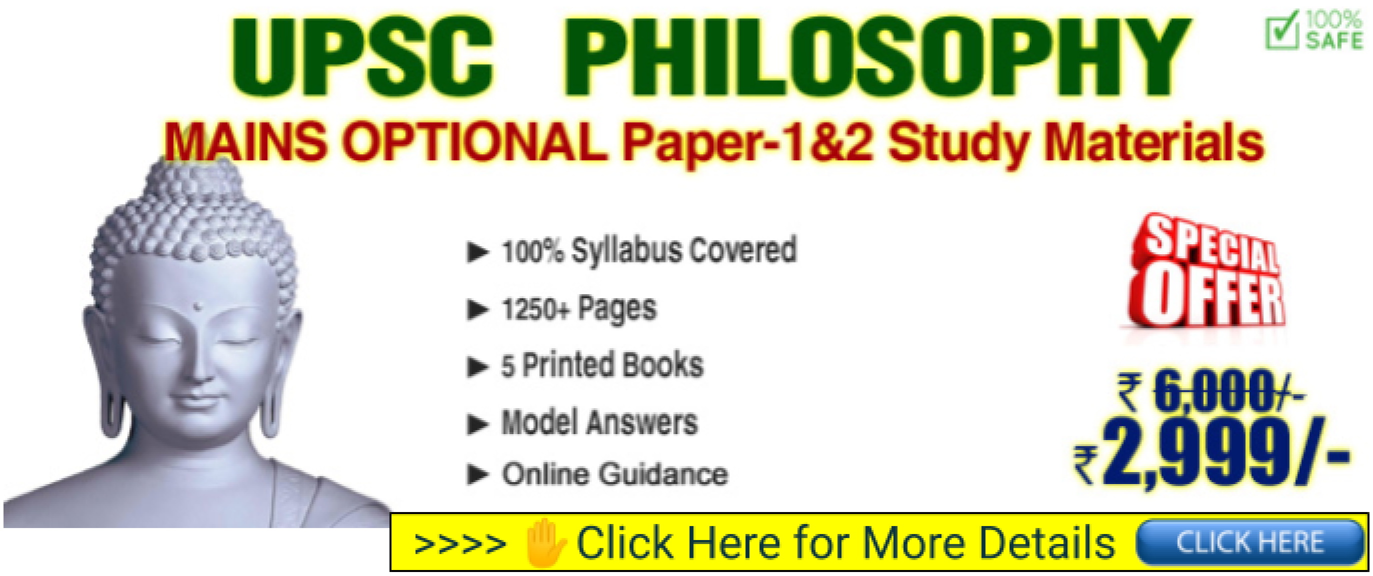

What you will get:

- 5 Comprehensive Books
- 12500+ Pages
- Available in Hard Copy
- Guidance & Support from Experts

Price of the Kit:

~~Rs. 6,000~~

Rs. 2,999/-

(Limited time Offer)

Buy Online

VISA Maestro MasterCard RuPay

Net Banking

Order Online (100% Safe)

Click here for Other Payment Options (Cash/NEFT/etc)

FOR MORE DETAILS VISIT:

http://iasexamportal.com/SK-115

CLICK HERE

50% OFF

Downloaded From: http://www.upscportal.com

Compiled By: UPSC PORTAL

Section 'A'

1. Answer all the *four* parts below in not more than 150 words each : 15×4=60

   (a) Compare and contrast Kautilya's *Saptanga* theory of the Sovereign State with Bodin's theory of Sovereignty.

   (b) In a Democracy does a citizen ever have the moral right to break a law ? Discuss citizens right to civil disobedience.

   (c) The Term 'multi-culturalism' has been used in both a descriptive and a normative sense. Discuss.

   (d) Can capital punishment be justified ? Answer with reference to the theories of punishment.

2. Answer all the *three* parts below in about 200 words each : 20×3=60

   (a) Can citizens have rights without duties ? Discuss with examples.

   (b) Discuss Kant's distinction between duties of perfect and imperfect obligation.

   (c) Can the conception of 'rights' of citizens be sustained in a society characterized by caste discrimination ? Discuss.

खण्ड 'क'

1. निम्नलिखित सभी चार भागों का उत्तर दें। प्रत्येक उत्तर 150 शब्दों से अधिक न हो : 15×4=60

   (क) कौटिल्य के संप्रभुता के सप्तांग सिद्धांत एवं बोदाँ के राज्य के संप्रभुता के सिद्धांत की तुलना करें।

   (ख) जनतंत्र में नागरिक को क्या कभी भी कानून के उल्लंघन का नैतिक अधिकार होता है ? नागरिकों के सविनय अवज्ञा के अधिकार पर चर्चा करें।

   (ग) 'बहुसंस्कृतिवाद' पद का प्रयोग विवरणात्मक एवं मूल्यात्मक दोनों रूप में हुआ है। चर्चा करें।

   (घ) क्या मृत्युदण्ड औचित्यपूर्ण है ? दंड के सिद्धांतों के संदर्भ में उत्तर दीजिये।

2. निम्नलिखित सभी तीन भागों में प्रत्येक के उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए : 20×3=60

   (क) क्या नागरिकों को कर्तव्यों के बिना अधिकार प्राप्त हो सकते हैं ? उदाहरणों सहित चर्चा करें।

   (ख) कांट द्वारा दिये गए कर्तव्य के संपूर्ण एवं असंपूर्ण दायित्व के सिद्धांत की चर्चा करें।

   (ग) क्या जातिप्रथा से ग्रस्त समाज में नागरिकों के 'अधिकार' का प्रत्यय निर्वाहित किया जा सकता है ? चर्चा करें।

Downloaded From: http://www.upscportal.com

Compiled By: UPSC PORTAL

3. Answer all the *three* parts below in about 200 words each : 20×3=60
   (a) What are the basic differences between Marxism and Socialism ?
   (b) Can it be said that Socialism is a weaker version of Marxism ? Discuss.
   (c) Is Democratic Socialism a contradiction in terms ? Discuss.

4. Answer all the *three* parts below in about 200 words each : 20×3=60
   (a) The Fundamental idea of the conception of justice is fairness. Discuss.
   (b) Can issues relating to gender discrimination be met by the conception of justice as fairness ? Discuss.
   (c) Which principle of justice can, in your view, be most helpful in addressing the issues related to caste discrimination and why ?

Section 'B'

5. Answer each of the following in not more than 150 words : 15×4=60
   (a) Discuss the salient features of traditional orthodox religion.
   (b) Examine the view that the foundation of morality is possible only in a religious framework.
   (c) Why is a proof for the existence of God necessary for the growth of a religion ? Discuss.
   (d) "Religion is not just false, it is harmful." Discuss.

3. निम्न सभी तीन भागों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए : 20×3=60
   (क) मार्क्सवाद एवं समाजवाद के मौलिक भेद क्या हैं ?
   (ख) क्या यह कहा जा सकता है कि समाजवाद मार्क्सवाद का एक कमज़ोर संस्करण है ? चर्चा करें।
   (ग) क्या जनतांत्रिक समाजवाद एक आत्मव्याघाती अवधारणा है ? चर्चा करें।

4. निम्न सभी तीन भागों का लगभग 200 शब्दों में उत्तर दीजिए : 20×3=60
   (क) न्याय की अवधारणा का आधारभूत विचार निष्पक्षता है। चर्चा करें।
   (ख) क्या सामाजिक लिंग भेदभाव के मुद्दे न्याय निष्पक्षता के विचार से निस्तारित किये जा सकते हैं ? चर्चा करें।
   (ग) आपके अनुसार न्याय का कौन-सा सिद्धांत जाति भेदभाव की समस्या का समाधान करने में संर्वाधिक सहायक होगा और क्यों ?

खण्ड 'ख'

5. निम्नलिखित सभी भागों का उत्तर दीजिये जो प्रत्येक 150 शब्दों से अधिक न हो : 15×4=60
   (क) परंपरागत शास्त्रीय धर्म के मूल लक्षणों पर चर्चा कीजिये।
   (ख) उस विचार की परीक्षा करें जिसके अनुसार नैतिकता का आधार केवल धार्मिक संरचना में ही संभव है।
   (ग) ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के प्रमाण, धर्म के विकास के लिये क्यों आवश्यक हैं ? चर्चा कीजिये।
   (घ) "धर्म न केवल असत्य है, वह हानिकारक भी है।" चर्चा करें।

Downloaded From: http://www.upscportal.com

Compiled By: UPSC PORTAL

6. Answer each of the following in about 200 words : 20×3=60

(a) Is William James right in holding that religious disputes are like conflicts in aesthetic appreciation ? Discuss.

(b) Are religious doctrines and debates verifiable ? Discuss.

(c) Examine the view that, religious doctrines are not 'quasi-scientific' doctrines, but represent a form of life.

7. Answer each of the following in about 200 words : 20×3=60

(a) Explain the notion of truth as "*Ekam Sat Viprah Bahudha Vadanti*" (Truth is one, the learned interpret it differently.)

(b) Does the notion of absolute truth give rise to intolerance and religious conflicts ? Discuss.

(c) How can religious conflicts about truth be resolved ? Discuss.

8. Answer each of the following in about 200 words : 20×3=60

(a) Is a belief in the immortality of the soul a necessary precondition for religion ? Discuss.

(b) Is a belief in rebirth and reincarnation possible without a belief in the immortality of the soul ? Discuss.

(c) Can Buddhism, because of its doctrine of '*anatta*', be regarded as a religion or not ? Discuss.

6. प्रत्येक भाग पर लगभग 200 शब्दों में उत्तर दीजिए : 20×3=60

(क) क्या विलियम जेम्स का यह कहना सही है कि धार्मिक विवाद सौन्दर्य बोध के विवाद के समान होते हैं ? चर्चा करें।

(ख) क्या धार्मिक सिद्धांत एवं विवाद सत्यापनीय हैं ? चर्चा करें।

(ग) इस धारणा की चर्चा करें जिसके अनुसार धार्मिक सिद्धांत 'छद्म-वैज्ञानिक' सिद्धांत न होकर जीवन शैली का प्रतिनिधित्व करते हैं।

7. प्रत्येक भाग का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए : 20×3=60

(क) सत्य के इस सिद्धांत की चर्चा करे : ''एकं सत् विप्राः बहुधा वदन्ति।''

(ख) क्या निरपेक्ष सत्य का विचार असहिष्णुता एवं धार्मिक विवादों को उत्पन्न करता है ? चर्चा करें।

(ग) सत्य के संबंध में धार्मिक विवादों का समाधान किस प्रकार किया जा सकता है ? चर्चा करें।

8. प्रत्येक भाग का लगभग 200 शब्दों में उत्तर दीजिए : 20×3=60

(क) क्या आत्मा की अमरता में विश्वास धर्म की पूर्वमान्यता है ? चर्चा करें।

(ख) क्या पुनर्जन्म एवं पुनरवतरण का विश्वास आत्मा के अमरत्व के विचार के अभाव में संभव है ? चर्चा करें।

(ग) क्या बौद्धमत, अपने 'अनत्त' के विचार के कारण, धर्म माना जा सकता है अथवा नहीं ? चर्चा करें।

IAS EXAM
Indian Administrative Services

UPSC PRINTED STUDY NOTES

Study Material for IAS (UPSC) General Studies Pre. Cum Mains (Combo)	English	CLICK HERE
UPSC - IAS PRE (GS+CSAT) Solved Papers & Test Series	English	CLICK HERE
UPSC सामान्य अध्ययन प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा (Combo) Study Kit	Hindi	CLICK HERE
Study Material for IAS Prelims: GS Paper -1 + CSAT Paper-2	English	CLICK HERE
Study Kit for IAS (Pre) GENERAL STUDIES Paper-1 (GS)	English	CLICK HERE
Study Kit for IAS (Pre) CSAT Paper-2(Aptitude)	English	CLICK HERE
Public Administration Optional for UPSC Mains	English	CLICK HERE
सामान्य अध्ययन (GS) प्रारंभिक परीक्षा (Pre) पेपर-1	हिन्दी	CLICK HERE
आई. ए. एस. (सी-सैट) प्रांरभिक परीक्षा पेपर -2	हिन्दी	CLICK HERE
Gist of NCERT Study Kit For UPSC Exams	English	CLICK HERE
यूपीएससी परीक्षा के लिए एनसीईआरटी अध्ययन सामग्री	हिन्दी	CLICK HERE
COMPLETE STUDY MATERIAL FOR IAS PRELIMS EXAM	English	CLICK HERE
COMPLETE STUDY MATERIAL FOR IAS PRE+MAINS+INTERVIEW EXAM	English	CLICK HERE
UPSC, IAS सिविल सेवा परीक्षा संपूर्ण अध्ययन सामग्री (प्रारंभिक, मुख्य, साक्षात्कार)	हिन्दी	CLICK HERE